प्रवेशिका प्रथम
कथ्थक नृत्य

पूर्णांक : 75, न्यूनतम : 26
क्रियात्मक : 60 शास्त्र (मौखीक): 15
• प्रारंभिक के सभी पाठ्यक्रम को दोहराना ।

शास्त्र :

१. लय (बराबर, दुगुन, चौगुन) सम, मात्रा, ताली, खाली, गतनिकास, तत्कार, तोडा, गतपल्टा, तथा बाँट इन शब्दों की परिभाषा व्यक्त करना ।
२. ताल - लिपि के चिन्हों को पहचानना ।
३. दादरा तथा केहरवा की जानकारी ।
४. पाँच वर्तमान कथक गुरुओं के नाम ।
५. अभिनय दर्पण के अनुसार निम्नलिखित असंयुक्त हस्तमुद्राएँ तथा उनका प्रयोग :-

1)	पताका	6)	अर्धचंद्र
2)	त्रिपताका	7)	अराल
3)	अर्धपताका	8)	शुकतुण्ड
4)	कर्तरिमुख	9)	मुष्टि
5)	मयूर	10)	शिखर

क्रियात्मक :

- **तीनताल :**

रंगमंच प्रणाम	1
ठाठ	2
सादा आमद	1
तोड़े	6
चक्करदार तोड़े	2
परन	2

- **गतनिकास :**
  १. सीधी गत, मटकी गत, बाँसुरी गत ।
  २. तत्कार की बराबर, दुगुन, चौगुन तिहाई सहित ।
  ३. हाथ से ताल लगाते हुऐ सभी तोड़ों का अभ्यास ।
  ४. तीन ताल के ठेके को ताल सहित ठाह, दुगुन, चौगुन में पढ़ना ।
  ५. तीन ताल में 4 तत्कार के बाँट ।

- केहरवा या दादरा तालमें एक अभिनय गीत जिसके बोल मुखाग्र हो ।

प्रवे. प्रथम कुल मौखिक ७५ समय : १५ मिनट प्रतिछात्र

ठाठ	तोड़े	ततकार	गतनिकास	पढन्त	अभिनय	गीत
5	10	10	10	5		5

कुल

अंक 75

मुद्रा	प्रदर्शन	प्रभाव	शास्त्र	मौखिक
5	5	5		15